International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

उत्तर प्रदेश के धार्मिक पर्यटन का आर्थिक अवलोकन

श्रीकान्त पाण्डेय[1] प्रो० अन्जनी कुमार मालवीय[2]

[1]शोध छात्रए वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
[2]आचार्य वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सारांशः

उत्तर प्रदेश भारत में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक पर्यटन स्थलों में से एक है, जिसे चौंसठ करोड़ देवी–देवताओं की भूमि, के नाम से भी जाना जाता हैं वास्तु चमत्कार और इतिहास से भरा यह राज्य कई महत्वपूर्ण मंदिरों और धार्मिक स्थलों जैसे– मथुरा, वृन्दावन, वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज, चित्रकूट और सारनाथ जैसे प्रमुख प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों का गढ़ है जो अपने आप में विश्व प्रसिद्ध है।

पर्यटन देश के आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का एक महत्वपूर्ण कारक है। पर्यटन क्षेत्र के महत्व को इसी बात से समझा जा सकता है कि दुनिया के करीब डेढ़ सौ देशों में विदेशी मुद्रा की कमाई करने वाले पाँच क्षेत्रों में पर्यटन भी एक है।पर्यटन क्षेत्र देश के शीर्ष सेवा उद्योगों में से एक है इसका महत्व आर्थिक विकास और विशेष तौर पर देश के दूरदराज के क्षेत्रों में रोजगार सृजन के एक माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण है।

संकेत शब्दः पर्यटन, धार्मिक स्थल, अर्थव्यवस्था, आर्थिक विकास, रोजगार।

प्रस्तावनाः

भारत धार्मिक स्थानों का देश है प्राचीन समय से ही भारत में तीर्थाटन यानि धार्मिक पर्यटन की परम्परा रही है प्राचीन भारत में लोग पैदल या अन्य साधनों से सैकड़ों किलोमीटर की यात्रायें करके तीर्थाटन करते थे, अब परिवहन के नये साधनों ने धार्मिक पर्यटन को ज्यादा व्यापक और लोकप्रिय बना दिया। भारत को दुनिया का सबसे ज्यादा धार्मिक स्थानों का देश कहा जाता है एक अनुमान के अनुसार देश भर में 5000 से ज्यादा छोटे एवं बड़े महत्व के धार्मिक स्थल है, चूकिं भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं मे एक है इसलिये हजारो सालों में यहाँ धार्मिक सरोकारों के तत्वाधान में ही कला–संस्कृति, परम्परा, स्थापत्य और शिल्प कला का खूब विकास हुआ।

पर्यटन व्यापक आर्थिक परिणामों के साथ आधुनिक समाज की एक प्रमुख सामाजिक घटना है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के लिये पर्यटन रोजगार सृजन तथा आय सृजन में सबसे महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में उभरा है। वास्तव में पर्यटन पहले से दुनिया के सबसे बड़े उद्योग की स्थिति में पहुँच गया है और दुनिया का सबसे बड़ा रोजगार भी है। पर्यटन एक आर्थिक गतिविधि है जो मूल्यवान विदेशी मुद्रा अर्जित करने में सक्षम है, रोजगार पैदा करता है ढांचागत विकास को प्रोत्साहित करता है और एक क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

धार्मिक पर्यटन के महत्व को विकास शील और विकसित दोनों देशों में मान्यता दी गयी है, इसलिये पर्यटन के क्षेत्र में ट्रस्ट एवं सरकारी नियमों की स्थापना की गयी है। इस क्षेत्र में विकास के लिये व्यापक प्रसार, प्रयोजन व छोटे व्यवसाय और बहुराष्ट्रीय निगमों के विस्तार में योगदान के साथ–साथ पर्यटन उद्योग से लाभ प्राप्त करने में देखा जा सकता है।

उत्तर भारत में स्थित भारत के सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक उत्तर प्रदेश धार्मिक पर्यटन का एक प्रमुख केन्द्र है। यहाँ श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े अनेक स्थल, भगवान श्रीराम की जन्म भूमि अयोध्या, भगवान श्री कृष्ण की लीला भूमि मथुरा, भगवान विश्व नाथ की नगरी एवं विश्व की प्राचीनतम नगरी काशी, दुनिया की सबसे पवित्र नदियों गंगा जी व यमुना जी के संगम के रूप में कुम्भ की धरती प्रयागराज, विभिन्न शक्ति केन्द्र, भगवान बुद्ध से जुड़े छह प्रमुख स्थल जैन परम्परा के तीर्थंकरों से संबंधित अनेक पवित्र स्थल है।

पर्यटन उद्योग : एक अवलोकन

भारत में पर्यटन क्षेत्र देश के शीर्ष सेवा उद्योगों में से एक सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहाँ इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 6.23% और भारत के कुल रोजगार में 8.78% योगदान है। पर्यटन को आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का एक सशक्त माध्यम माना जाता है क्योंकि जब एक पर्यटक किसी पर्यटन स्थल पर जाता है तो कम से कम नौ लोगों को रोजगार मिलता है। इसका महत्व आर्थिक विकास और विशेष तौर पर देश के दूर दराज के क्षेत्रों में रोजगार सृजन एक माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण है। पर्यटन उद्योग की तरफ से पेश की गयी रिपोर्ट के अनुसार भारतीय पर्यटन का बाजार 2024 तक 42 अरब डॉलर और

2025 तक 45 अरब डॉलर तक पहुँच जायेगा, पर्यटन वृद्धि के राजस्व में वृद्धि होने के साथ–साथ अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन भी हो रहा है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022 में 24 करोड़ 87 लाख से अधिक पर्यटक आये जिनमें भारतीय पर्यटकों की संख्या 4 लाख 10 हजार से अधिक रही।

पर्यटन उद्योग के विकास के लिए पर्यटन नियोजन की आवश्यकता है। पर्यटन नियोजन पर्यटन विकास की प्रक्रिया है। पर्यटन योजना समस्या को सुलझाने और निर्णय लेने में मद्द करती है जो योजनाकार को वांछित उद्देश्यों को प्राप्त करने में मद्द करती है। पर्यटन क्षेत्र के लिए व्यापक आर्थिक नियोजन तकनीकों का उपयोग अपेक्षाकृत नया है। आय के स्त्रोत के रूप में पर्यटन का बढ़ता महत्व, रोजगार सृजन, क्षेत्रीय विकास, विदेशी मुद्रा और कई देशों के लिए भुगतान संतुलन में प्रमुख कारक कई सरकारों के साथ–साथ आर्थिक विकास में रूचि रखने वाले अन्य लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। पर्यटन 20वीं सदी के सबसे बड़े वैश्विक उद्योग के रूप में उभरा है और 21वीं सदी में और भी तेजी से बढ़ने का अनुमान हैं

पर्यटन नीति पर्यटन क्षेत्र को मजबूत करती है और देश में रोजगार सृजन, पर्यावरण उत्थान, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दूरदराज के क्षेत्रों के विकास और महिलाओं एवं अन्य वंचित समूहों के विकास में उत्प्रेरक बनाने की दिशा में नई पहल की परिकल्पना करती है।

शोध अध्ययन की आवश्यकता :–

प्रस्तुत शोध के अनुसार भारत विभिन्न धर्मों का परिक्षेत्र है यहां धार्मिक दृष्टिकोण से पृष्ठभूमि अत्यधिक व्यापाक है तथा यहां विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों की एक बड़ी संख्या उपलब्ध है। इस प्रकार यह तीर्थ पर्यटन के लिये उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। यद्यपि उत्तर प्रदेश में तीर्थ पर्यटन की संभवनाओं को उज्जवल करने के लिये कई पवित्र स्थल है।

वर्तमान अध्ययन धार्मिक पर्यटकों की जनसांख्यिकीय और यात्रा पैर्टन की पहचान करने का प्रयास है जिससे मंदिर के दर्शन, परिवहन आवास, भोजन खरीददारी, सुरक्षा और पर्यटकों की सुरक्षा जैसी सुविधाओं से संबंधित धार्मिक पर्यटकों की सन्तुष्टि और कठिनाइयों की पहचान की जा सके। इस कारण से इस शोध पत्र में तीर्थ यात्रियों को बेहतर सेवायें प्रदान करने के लिए पर्यटन मंत्रालय, मन्दिर प्राधिकरण और पर्यटन स्रोतो द्वारा कुछ रणनीतियों का पालन करने की सिफारिश की गयी है।

उत्तर–प्रदेश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल :–

- **वाराणसी**– यह विश्व की प्राचीनतम नगरी है इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है यह नगरी भगवान शिव के प्रसिद्ध मन्दिर विश्वनाथ 12 ज्योर्तिलिंगों में से एक स्थित है यहाँ गंगा के किनारे स्थित घाट बहुत ही रमणीक है।
- **अयोध्या–** यह सरयू नदी के तट पर स्थित अति प्राचीन धार्मिक एवं रमणीय नगर है इसे कौशल देश भी कहा जाता है। यह भगवान श्रीराम की जन्मस्थली के रूप में विख्यात है यहाँ भगवान राम का विशालकाय मन्दिर निर्माण हो रहा है इसके साथ ही हनुमानगढ़ी मन्दिर, कनक भवन एवं नागेश्वर नाथ मन्दिर है।
- **मथुरा–** मथुरा भगवान श्री कृष्ण की जन्मस्थली के रूप में प्रसिद्ध है इसे मन्दिरों का नगर भी कहा जाता है बताया जाता है कि यहाँ प्रत्येक घर में मन्दिर स्थित है। यहाँ कृष्ण जन्मभूमि, वृन्दावन, द्वारिका धीश मन्दिर गोर्वधन एवं बरसाना आदि स्थित है।
- **प्रयागराज–** यह नगर गंगा यमुना सरस्वती तीन नदियों का संगम हैं। यहाँ पर विश्व का सबसे बड़ा मेला कुम्भ का आयोजन होता है जहाँ करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु डुबकी लगाने आते है। यहाँ हनुमान मन्दिर, शंकर विमान मण्डपम, सरस्वती कूप, मनकामेश्वर मन्दिर आदि है।
- **चित्रकूट–** यह धाम भगवान राम की तपोस्थली के रूप में प्रसिद्ध है। यहाँ भगवान कामतानाथ मन्दिर, भरतकूप, रामघाट एवं हनुमान धारा आदि स्थित है।
- **कुशीनगर–** उत्तर प्रदेश का कुशीनगर एक बौद्ध तीर्थ स्थल है। यह भी प्राचीन नगरी है जहां देखने के लिए कई धार्मिक स्थल है। यहां भगवान बुद्ध ने अपने अंतिम उपदेश दिए थे।
- **नैमिषारण्य–** गोमती नदी के किनारे बसे इस क्षेत्र की पुराणों में बहुत चर्चा होती है। नैमिषारण्य हिंदू धर्म का एक प्राचीन और पवित्र तीर्थ स्थल है। इस बहुत ही खूबसूरत नगर में ललिता देवी मंदिर, पांडव किला और गोमती नदी के घाट देखना बहुत ही सुकून और शांति भरा है।
- **देवगढ़–** यह एक जैन धार्मिक स्थल है जो उत्तर प्रदेश के मौजूदा ललितपुर जिले में स्थित है। वर्तमान में देवगढ़ में 31 प्राचीनकालीन जैन मंदिर हैं। देवगढ़ भारतीय इतिहास की अनेक घटनाओं का गवाह रहा है। देवगढ़ अपने दशावतार मंदिर के लिए भी प्रसिद्ध है।

निष्कर्ष :–

पर्यटन अर्थव्यवस्था का एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण खण्ड है। किसी भी देश का आर्थिक विकास चाहे वह विकासशील, विकसित या अविकसित देश हो पर्यटन क्षेत्र से काफी प्रभावित होता है, इसलिए विश्व के हर देश ने पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए कई पर्यटन नीतियाँ तैयार की है। भारत के योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) द्वारा पर्यटन को एक उद्योग के रूप में मान्यता दी गई थी।

धार्मिक पर्यटन और इसकी अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण पहल करने की जरूरत है, पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार, सभी प्रकार के किफायती और लक्जरी होटलों का निर्माण, बुनियादी ढाँचे और नागरिक सुविधाओं का विस्तार, इन धार्मिक और तीर्थस्थानों में पर्यटक सूचना केन्द्रों की स्थापना और इन स्थानों तक पहुँचने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से उनकी कनेक्टिविटी जैसी पहल से भारत में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, इससे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में धार्मिक पर्यटन का योगदान बढ़ेगा।

सन्दर्भ सूची

1ण पर्यटन मार्केटिंग एवं विकास– डॉ० जगमोहन नेगी, तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली।
2ण इंटरनेशनल टूरिज्म – प्रेमधर, कनिष्क पब्लिकेशन नई दिल्ली
3ण व्यास, आर०के० (2008), भारत में पर्यटन, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4ण डॉ० पाण्डेय, एस (2011), धर्म से बढ़ता पर्यटन उद्योग बाबा अमरनाथ की यात्रा के सन्दर्भ में, अध्ययन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
5ण यादव ए० (2016), दैनिक जागरण, इलाहाबाद, 15 मई, 2016 पेज नं०– 10
6ण दास, आर०के० (2017), पर्यटन, प्रवाह एवं प्रभाव, भारत में पर्यटन, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
7ण पर्यटन बढ़ाओ, पलायन हटाओ, अमर उजाला, दैनिक समाचार पत्र, देहरादून 9 जनवरी 2018 पेज नं०– 15